Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to review the closure of Dhanbad-Chandrapura railway line.

श्री रवीद्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह): मैं सरकार का ध्यान पूर्व-मध्य रेलवे के धनवाद मंडल अंतर्गत बंद किए गए धनबाद-चद्रपुरा (डी.सी.) रेलवे लाइन की ओर आकृष्ट कराते हुए कहना चाहता हूं कि उक्त रेलवे लाइन के नीचे आग होने के कारण दुर्घटना की आशंका के मद्देनजर 15 जून, 2017 से इसे बंद कर दिया गया है। उक्त रेवले लाइन के बंद होने से 34 किलोमीटर के अंदर 14 स्टेशन एवं हाल्ट के आस-पास के करीब 5 लाख से भी ज्यादा की जनसंख्या प्रभावित हुई है। इस रूट पर औसतन प्रतिवर्ष करीब 1 करोड़ से अधिक यात्री यात्रा करते थे। यह रूट झारखंड की राजधानी रांची को संथाल परगना सहित अन्य राज्यों को जोड़ती है। इस रूट पर कुल 26 जोड़ी एक्सप्रेस/पैसेंजर ट्रेंनें चलती थी। रेल लाइन बंद होने के बाद बहुत से ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से तो चलाया जा रहा है, परन्तु कतरास कोयलांचल क्षेत्र के लाखों लोगों की काफी परेशानी हो रही है। इससे इस क्षेत्र के लोगों में व्यापक आक्रोश है एवं विभिन्न संगठनों द्वारा आंदोलन किया जा रहा है। आज भी महाधरना आंदोलन "रेल दो या जेल दो" 15 जून से जारी है। एक ओर जहां आम लोगों को परेशानी हो रही है, वहीं दूसरी ओर रेलवे को करोड़ों का राजस्व का नुकसान हो रहा है। उक्त रेलखंड के होने से बी.सी.सी.एल. की विभिन्न परियोजनाओं से उत्पादित कोयले की ढुलाई प्रभावित हुई है। इस क्षेत्र से देश की विभिन्न पावर प्लांटों सहित अन्य राज्यों को भेजे जाने वाला कोयला परिवहन प्रभावित है, जिससे बी.सी.सी.एल. को अब तक करोड़ों का नुकसान हो चुका है।

धनबाद-चद्रपुरा रेलखंड का पूरा भाग अग्नि प्रभावित नहीं है, फिर डायवर्जन लाइन का निर्माण किए बगैर डी.सी. लाइन बंद क्यों कर दिया गया है। जब वर्षों से इस रेलखंड के नीचे आग होने की जानकारी रेलवे को थी, तो क्यों नहीं परिवर्तित मार्ग का निर्माण अथवा डायवर्जन का निर्माण रेल लाइन को बंद किए जाने से पहले किया गया। धनबाद-चद्रपुरा रेल लाइन को पुनः चालू करने हेतु डी.जी.एम.एस. के रिपोर्ट की पुनः जांच/सर्वे कराने को लेकर चर्चा हुई, लेकिन अब तक यह कार्य नहीं हुआ। इस बीच चर्चा है कि रेलवे लाइन के नीचे से कोयला निकालने एवं आग बुझाने हेतु रेलवे लाइन को उखाड़े जाने की तैयारी है। ऐसा होने से इसका व्यापक विरोध एवं आंदोलन की आशंका है। उक्त रेलखंड पर भू-धसान जैसी कोई घटना आज तक नहीं हुई है, फिर भी उक्त रेल खंड को बंद कर दिया गया है। जबकि 4 दिसम्बर, 2017 को कोल इंडिया के ई.सी.एल. के मुगमा क्षेत्र के मंडमन कोलियरी क्षेत्र में जोरदार आवाज के

साथ जमीन में दरार पड़ गई। दरार लगभग 500 मीटर जमीन पर 1.5 मीटर के क्षेत्रफल में पड़ी है। घटना स्थल के कुछ ही दूरी पर ग्रैण्ड कोड सेक्शन की रेलवे लाइन गुजरी है, परन्तु ग्रैण्ड कोड सेक्शन को बंद नहीं किया गया।

अतः मेरा सरकार से आग्रह होगा कि डी.जी.एम.एस. की रिपोर्ट की पुनः जांच कराते हुए बंद रेल लाइन को पुनः चालू किया जाए और अंततः उक्त रेलखंड को पुनः नहीं चालू करने की स्थिति में वैकल्पिक नई रेल लाइन बिछाने के बाद ही कोयला निकालने की व्यवस्था की जाए और साथ ही, उक्त रेलखंड के बंद होने के बाद पुनः चालू नहीं किए गए सभी ट्रेनों को सुविधानुसार परिवर्तित मार्ग से चलाया जाए।